हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा तथा पत्रकारिता विभाग
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र – आधुनिक गद्य (निबन्ध एवं नाटक) – कुल अंक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप – इस प्रश्नपत्र मे पाठ्यग्रन्थो को दो भागो मे विभक्त किया गया है–मूल पाठ, द्रुत पाठ। प्रश्नपत्र कुल 100 अको का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–

(क) तीन व्याख्याएँ (केवल मूल पाठ से) = 12 X 3 = 36
(ख) तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (केवल मूल पाठ से) = 16 X 3 = 48
(ग) दो लघु उत्तरीय प्रश्न (केवल द्रुत पाठ से) = 8 X 2 = 16
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न लगभग 400 शब्दो तथा लघु उत्तरीय प्रश्न 100 शब्दो के होगे)

पाठ्यग्रंथ –

मूल पाठ

(1) निबन्ध – आचार्य शुक्ल के श्रेष्ठ निबन्ध – स प्रो रामचन्द्र तिवारी
(श्रद्धा–भक्ति, कविता क्या है, काव्य मे लोकमगल की साधनावस्था)
हजारी प्रसाद द्विवेदी सकलित निबन्ध
स नामवर सिह
(अशोक के फूल, कुटज, नाखून क्यो बढते है, भारत की सास्कृतिक समस्या, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है)
(2) नाटक – चन्द्रगुप्त – जयशकर प्रसाद
आषाढ का एक दिन – मोहन राकेश

द्रुत पाठ

(1) निबन्ध – निबन्ध–सचयन, स डॉ दीपक प्रकाश त्यागी, डॉ राम नारायण त्रिपाठी
(वैष्णवता और भारतवर्ष, जातीय सगीत – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, हिन्दी भाषा, लार्ड मिन्टो का स्वागत – बालमुकुन्द गुप्त, आचरण की सभ्यता, सच्ची वीरता–सरदार पूर्ण सिह, तमाल के झरोखे से, हरसिगार – विद्यानिवास मिश्र, सस्कृति का शपनाग, नीलकठ उदास – कुबेरनाथ राय, भाषा और राष्ट्रीय अस्मिता, साहित्य का आत्मसत्य – निर्मल वर्मा)

सहायक ग्रंथ

1 हिन्दी का गद्य साहित्य, डॉ रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2 प्रसाद के नाटक, डॉ सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना
3 प्रसाद के नाटको का शास्त्रीय अध्ययन, डॉ जगन्नाथ प्रकाश शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4 मोहन राकेश और उनके नाटक, डॉ गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5 हिन्दी निबन्ध और निबन्धकार, डॉ रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
6 भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा, डॉ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याए, डॉ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, डॉ रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9 हिन्दी साहित्य विविध परिदृश्य, सदानन्द प्रसाद गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

द्वितीय प्रश्न पत्र – आधुनिक काव्य – कुल अंक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप – इस प्रश्नपत्र मे पाठ्यग्रन्था को दो भागो मे विभक्त किया गया है–मूल पाठ, द्रुत पाठ । प्रश्नपत्र कुल 100 अक का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–

(क) तीन व्याख्याएँ (केवल मूल पाठ से) = 12X3=36
(ख) तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (केवल मूल पाठ से) = 16X3=48
(ग) दो लघु उत्तरीय प्रश्न (केवल द्रुत पाठ से) = 8X2=16
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न लगभग 400 शब्दो तथा लघु उत्तरीय प्रश्न 100 शब्दो के होगे)

पाठ्यग्रंथ –

मूल पाठ–

1 साकेत (नवम् सर्ग) – मैथिलीशरण गुप्त
2 कामायनी (चिन्ता और इडा सर्ग) – जयशकर प्रसाद
3 राग–विराग (राम की शक्तिपूजा, सरोजस्मृति) – स रामविलास शर्मा
4 तारापथ (उच्छ्वास, नौकाविहार, छाया) – स दूधनाथ सिह

द्रुत पाठ– नया पथ(केवल दो कवि बालकृष्ण शर्मा नवीन और महादेवी वर्मा) – स प्रो गणेश प्रसाद पाण्डेय, प्रो अनिल कुमार राय

सहायक ग्रथ–

1 आधुनिक साहित्य का प्रवृत्तियॉ, डॉ नामवर सिह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2 छायावाद, डॉ नामवर सिह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3 निराला की साहित्य साधना, तीन भाग, डॉ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4 क्रातिकारी कवि निराला, डॉ बच्चन सिह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5 छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन, डॉ कुमार विमल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6 सौन्दर्यशास्त्र के तत्त्व, डॉ कुमार विमल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7 आत्महता आस्था निराला, दूधनाथ सिह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8 सुमित्रानन्दन पत, डॉ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिग हाउस, दिल्ली
9 पत सहचर, अशोक वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10 साकेत एक अध्ययन, डॉ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिग हाउस, दिल्ली
11 आधुनिक हिन्दी कविता, डॉ विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहावाद
12 निराला, डॉ परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
13 प्रसाद, निराला और अज्ञेय, डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14 दिनकर की काव्यभाषा का सरचनात्मक अध्ययन, प्रो सुरेन्द्र दुबे, शब्द और शब्द, नई दिल्ली
15 कामायनी का शैली वैज्ञानिक अध्ययन, प्रो सुरेन्द्र दुबे, शब्द और शब्द, नई दिल्ली
16 सुमित्रानन्दन पत, सम्पा. सच्चिदानन्दप्रसाद गुप्त, नीलकमल प्रकाशन, गोरखपुर
17 आधुनिक हिन्दी कविता मे पौराणिक सन्दर्भो की पुनर्रचना, डॉ रामदरश राय, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

तृतीय प्रश्न पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास – कुल अक 100

प्रश्नपत्र का प्रारूप – यह प्रश्नपत्र कुल 100 अको का होगा। इसमे प्रश्न पत्र मे कुल पॉच प्रश्न करने होग। अक विभाजन इस प्रकार है–

(क) पॉच दीर्घउत्तरीय प्रश्न = 20X5 = 100

पाठ्यक्रम–

(क) सम्पूर्ण हिन्दी साहित्य का इतिहास

सहायक ग्रन्थ–

1 साहित्येतिहास सरचना और स्वरूप, डॉ सुमन राजे
2 साहित्येतिहास आदिकाल, डॉ सुमन राजे
3 हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4 हिन्दी साहित्य की भूमिका, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5 हिन्दी साहित्य का आदिकाल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6 हिन्दी साहित्य का इतिहास, सम्पा डॉ नगन्द्र, नेशनल पब्लिशिग हाउस, दिल्ली
7 हिन्दी साहित्य और सवेदना का विकास, डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, डॉ बच्चन सिह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
9 हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास, डॉ विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियन्ट ब्लैकस्वॉन प्रा लि, नई दिल्ली
10 हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11 हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा,
12 हिन्दी साहित्य का अतीत (दोनो भाग), डॉ विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

चतुर्थ प्रश्न पत्र – भारतीय काव्यशास्त्र – कुल अंक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप – प्रश्नपत्र कुल 100 अको को होगा। इस प्रश्नपत्र मे पॉच प्रश्न करने होगे। अक विभाजन इस प्रकार है–

(क) पॉच दीर्घउत्तरीय प्रश्न = 20X5=100

पाठ्यक्रम –

1 भारतीय काव्यशास्त्र–

(क) काव्य के प्रयोजन, लक्षण, स्वरूप और भेद, भारतीय काव्य सम्प्रदाय–रस, रीति, अलकार, वक्रोक्ति, ध्वनि, औचित्य, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण, शब्द शक्तियॉ, गुण व दोष।
(ख) नाट्य – नाटक के तत्व – वस्तु, नेता, रस तथा उसका विवेचन, रूपक, रगशाला

सहायक ग्रथ

1 भारतीय काव्यशास्त्र, डॉ तारकनाथ वाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2 भारतीय काव्यशास्त्र, डॉ हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ
3 काव्यशास्त्र, डॉ भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4 भारतीय काव्यशास्त्र, डॉ योगेन्द्र प्रताप सिह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5 भारतीय एव पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, बच्चन सिह, हरियाणा साहित्य अकादमी, पचकुला
6 भारतीय काव्यचिन्तन, डॉ शोभाकान्त मिश्र,
7 साहित्य दर्पण, रामदहिन मिश्र, चौखम्भा, वाराणसी

पचम प्रश्न पत्र – लोकसाहित्य के सिद्धान्त – कुल अंक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप – प्रश्नपत्र कुल 100 अको को होगा। इस प्रश्नपत्र मे पॉच प्रश्न करने होगे। अक विभाजन इस प्रकार है–

(क) पॉच दीर्घउत्तरीय प्रश्न = 20X5 = 100

पाठ्यक्रम –

खण्ड क–

लोक साहित्य की परिभाषा, महत्व और विशेषताएँ, लोक साहित्य ओर लोक सस्कृति, लोक साहित्य और सामाजिक चेतना, अन्य समाज विज्ञानो से लोक, साहित्य का सम्बन्ध, लोक साहित्य की विभिन्न विधाए – लोकगीत, लोकगाथा, लोकनाटय, लोकमच का स्वरूप और मौलिकता, लोकनाटय रूढियॉ, हिन्दी नाटक और रगमच पर लोक नाटयो का प्रभाव प्रकीर्ण साहित्य – लोकोक्तियॉ ओर मुहावरे अन्तर और वर्गीकरण।

सहायक ग्रन्थ–

1 लोकसाहित्य का भूमिका, डॉ कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
2 लोकसाहित्य विज्ञान, डॉ सत्येन्द्र, अपोलो प्रकाशन, जयपुर
3 भोजपुरी लोकसाहित्य, डॉ कृष्णदेव उपाध्याय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4 खडी बोली का लोकसाहित्य, डॉ सत्यारानी, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र – हिन्दी कथा साहित्य – कुल अंक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप – इस प्रश्नपत्र मे पाठ्यग्रन्थो को दो भागो मे विभक्त किया गया है–मूल पाठ, द्रुत पाठ । प्रश्नपत्र कुल 100 अक का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–

(क) तीन व्याख्याएँ (केवल मूल पाठ से) = 12×3=36
(ख) तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (केवल मूल पाठ से) = 16×3=18
(ग) दो लघु उत्तरीय प्रश्न (केवल द्रुत पाठ से) = 8×2=16
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न लगभग 400 शब्दो तथा लघु उत्तरीय प्रश्न 100 शब्दो के होगे)

पाठ्यग्रंथ –

मूल पाठ

(2) उपन्यास – गोदान – प्रेमचन्द
नदी के द्वीप – अज्ञेय

(4) कहानी सकलन – कहानी स्तम्भ – स प्रो जनार्दन, डॉ गणेश शुक्ल,
(घासवाली – प्रेमचन्द, गुण्डा – प्रसाद, पत्नी – जैनेन्द्र, शरणदाता – अज्ञेय,
परिन्दे – निर्मल वर्मा, वाड्चू – भीष्म साहनी, आर्द्रा – मोहन राकेश,
लाल पान की बगम – फणीश्वर नाथ रेणु, त्रिशकु – मन्नू भण्डारी)

द्रुत पाठ

(1) कहानी – कहानी समकालीन कहानी – स प्रो सुरेन्द्र दुबे, डॉ महेश मणि
(करवा का ब्रत – यशपाल, राजा निरबसिया – कमलेश्वर,
जहॉ लक्ष्मी केद हे – राजेन्द्र यादव, धॉसू – गोविन्द मिश्र
अर्धांगिनी – शैलेश मटियानी, आखिरी चिट्ठी – रामदरश मिश्र,
परियो का नाच ऐसा – मृणाल पाण्डेय)

सहायक ग्रंथ–

1 हिन्दी उपन्यास का इतिहास, डॉ गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2 हिन्दी कहानी का इतिहास, भाग–1, 2, डॉ गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3 गोदान, नया परिप्रेक्ष्य, डॉ गोपाल राय, अनुपम प्रकाशन पटना
4 गादान कुछ सन्दर्भ, डॉ कमलेश कुमार गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5 अज्ञेय और उनका कथा साहित्य, डॉ गोपाल राय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6 कहानी नयी कहानी, डॉ नामवर सिह, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
7 नयी कहानी सन्दर्भ और प्रकृति, देवीशकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8 प्रेमचन्द और उनक युग, डॉ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन दिल्ली

द्वितीय प्रश्न पत्र – छायावादोत्तर काव्य – कुल अक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप – इस प्रश्नपत्र मे पाठयग्रन्थो को दो भागो मे विभक्त किया गया है–मूल पाठ, द्रुत पाठ। प्रश्नपत्र कुल 100 अक का हागा। अक विभाजन इस प्रकार है–

(क) तीन व्याख्याएं (केवल मूल पाठ स) = 12×3=36
(ख) तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (केवल मूल पाठ स) = 16×3=48
(ग) दा लघु उत्तरीय प्रश्न (कवल द्रुत पाठ से) = 8×2=16
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न लगभग 400 शब्दा तथा लघु उत्तरीय प्रश्न 100 शब्दा के हागे)

पाठ्यग्रथ –

मूल पाठ–

1 नव दर्पण – स प्रा अनन्त मिश्र, डॉ ब्रजभूषण मणि त्रिपाठी

दुत पाठ– नयी पथ (केवल तीन कवि–गिरिजा कुमार माथुर, सर्वेश्वर दयाल सक्सेनां और दुष्यत कुमार) – स प्रो गणेश प्रसाद पाण्डेय, प्रो अनिल कुमार राय

सहायक ग्रथ–

1 समकालीन हिन्दी कविता, डॉ विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2 सर्जना और सन्दर्भ, अज्ञेय,
3 नई कविता के प्रतिमान, लक्ष्मीकान्त वर्मा
4 कविता के नये प्रतिमान, नामवर सिह
5 नई कविता का आत्मसघर्ष, मुक्तिबोध
6 कविता से साक्षात्कार, मलयज
7 साहित्य का नया परिप्रेक्ष्य, रघुवश
8 नई कविता स्वरूप और समस्याए, डॉ जगदीश गुप्त
9 नई कविता और अस्तित्ववाद, डॉ रामविलास शर्मा
10 समकालीन कविता का व्याकरण, डॉ परमानद श्रीवास्तव
11 नई कविता नई दृष्टि, डॉ रामकमल राय

तृतीय प्रश्न पत्र – संस्कृत एव उर्दू साहित्य का इतिहास – कुल अक 100

प्रश्नपत्र का प्रारूप – प्रश्न पत्र कुल 100 अको का होगा। इस प्रश्नपत्र मे कुल दो खण्ड होगे, अक विभाजन निम्नाकित है–

(क) सस्कृत साहित्य का इतिहास (तीन प्रश्न) = 20×3=60
(ग) उर्दू साहित्य का इतिहास (दो प्रश्न) = 20×2=40

पाठ्यक्रम–

(क) सस्कृत साहित्य का इतिहास – उपजीव्य काव्य – रामायण एव महाभारत

सस्कृत महाकाव्या की परम्परा – रघुवश, कुमारसम्भव, नेषधीयचरितम्, शिशुपालवधम्, किरातार्जुनीयम, सस्कृत नाटको का विकास–भास क नाटक, कालिदास के नाटक (मुख्य रूप से अभिज्ञानशाकुन्तलम्), भवभूति का उत्तररामचरितम्।

सस्कृत गद्य (विशेषत ललित गद्य), बाण और उसकी 'कादम्बरी'

(ख) उर्दू साहित्य का इतिहास –

दक्षिण मे उर्दू कविता का विकास दिल्ली केन्द्र की उर्दू कविता और प्रमुख कवि (मीर, सौदा, सोज, दर्द, गालिब, नासिख, जौक, जफर) लखनऊ केन्द्र की उर्दू कविता आर प्रमुख कवि (मुसहफी, ईशा अनीस दबीर आतिश) उर्दू के विशिष्ट कवि नजीर अकबराबादी, आधुनिक उर्दू कविता, प्रमुख प्रवृत्तियॉ–प्रमुख कवि मौलाना आजाद हाली, अकबर इलाहाबादी, जोश मलीहाबादी, फेज अहमद फेज, फिराक गोरखपुरी, उर्दू गद्य विधाओ का सक्षिप्त इतिहास उपन्यास, कहानी, नाटक और आलोचना। उर्दू क प्रमुख काव्य रूप गजल, कसीदा, मरसिया, मसनवी और रुबाई।

सहायक ग्रन्थ–

1 सस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, डॉ राधाबल्लभ त्रिपाठी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2 सस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ बलदव उपाध्याय, शारदा मन्दिर वाराणसी,
3 सस्कृत साहित्य का इतिहास – कपिलदव द्विवदी, साहित्य भवन इलाहाबाद

खण्ड ख–

भोजपुरी क्षेत्र और उसकी आचलिक सस्कृति (ऐतिहासिक, भौगोलिक, सामाजिक, सास्कृतिक परिवेश)

- भोजपुरी साहित्य की विशेषताए।
- भोजपुरी लोक साहित्य – लोकगीत और उनके प्रकार, लोकगाथा, लोक कथा।
- भोजपुरी काव्य परम्परा और प्रमुख कवि।
- भोजपुरी नाटक विदेसिया तथा अन्य नाट्य रूपो का अध्ययन।
- भोजपुरी कहानी का विकास।
- समकालीन भोजपुरी लेखन।

खण्ड ग–

पाठ्यग्रन्थ – भोजपुरी साहित्य सचयन, स प्रो चित्तरजन मिश्र, डॉ विमलश कुमार मिश्र

सहायक ग्रन्थ–

1 लोकसाहित्य का भूमिका, डॉ कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
2 भोजपुरी लोकसाहित्य, डॉ कृष्णदेव उपाध्याय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3 लोकसाहित्य विज्ञान, डॉ सत्येन्द्र, अपोलो प्रकाशन, जयपुर
4 भोजपुरी लोकगाथा, डॉ श्रीधर मिश्र, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
5 खडी बोली का लोकसाहित्य, डॉ सत्यारानी, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
6 भाजपुरी के लोकगीत, भाग–1, 2, हिन्दी साहित्य सम्मलन, प्रयाग
7 भोजपुरी भाषा का इतिहास, डॉ उदय नारायण तिवारी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

(द्वितीय सेमेस्टर)

चतुर्थ प्रश्न पत्र – आधुनिक काव्य **– कुल अंक 100**

प्रश्नपत्र का स्वरूप – इस प्रश्नपत्र मे पाठ्यग्रन्थो को दो भागा मे विभक्त किया गया है–मूल पाठ, द्रुत पाठ।

(क) तीन व्याख्याए (कवल मूल पाठ स) = 10 x 3 = 30
(ख) तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (केवल मूल पाठ से) = 15 x 3 = 45
(ग) पॉच लघु उत्तरीय प्रश्न (केवल द्रुत पाठ से) = 5 x 5 = 25
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्नो के उत्तर लगभग 600 शब्दो मे तथा लघु उत्तरीय प्रश्नो के उत्तर लगभग 100 शब्दो के होगे।)

पाठ्यग्रथ –

मूल पाठ–

1 साकेत (नवम् सर्ग) – मैथिलीशरण गुप्त
2 कामायनी (चिन्ता और इडा सर्ग) – जयशकर प्रसाद
3 राग–विराग (राम की शक्तिपूजा, सराजस्मृति) – स रामविलास शर्मा
4 तारापथ (उच्छवास, नौकाविहार, छाया, परिवर्तन) – स दूधनाथ सिह
5 नव दर्पण – स प्रो अनन्त मिश्र डॉ ब्रजभूषण मणि त्रिपाठी

द्रुत पाठ– नया पथ – स प्रो गणश प्रसाद पाण्डेय
पो अनिल कुमार राय

20 हिन्दी आलाचना की पारिभाषिक शब्दावली, डॉ अमरनाथ राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
21 आलोचना का अर्थ और अर्थ की आलोचना, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पचम प्रश्न पत्र – भोजपुरी साहित्य – कुल अक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप – प्रश्नपत्र 100 अको का होगा। इसमे दो खण्ड होगे। अकविभाजन इस प्रकार है–

(क) पाठ्यग्रथ से व्याख्या (तीन) = 12×3 = 36
(ख) भोजपुरी साहित्य (चार दीर्घउत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न) = 16×4 = 64

पाठ्यक्रम –

खण्ड क–

पाठ्यग्रन्थ – भोजपुरी साहित्य सचयन, स प्रो चित्तरजन मिश्र, डॉ विमलेश कुमार मिश्र

खण्ड ख–

भोजपुरी क्षेत्र और उसकी आचलिक सस्कृति (ऐतिहासिक, भौगोलिक, सामाजिक, सास्कृतिक परिवेश)

- भोजपुरी साहित्य की विशेषताए।
- भोजपुरी लोक साहित्य – लाकगीत और उनके प्रकार, लोकगाथा, लोक कथा।
- भोजपुरी काव्य परम्परा और प्रमुख कवि।
- भोजपुरी नाटक विदसिया तथा अन्य नाट्य रूपो का अध्ययन।
- भोजपुरी कहानी का विकास।
- समकालीन भोजपुरी लेखन।

सहायक ग्रन्थ–

1 भाजपुरी लोकसाहित्य, डॉ कृष्णदेव उपाध्याय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2 भोजपुरी लोकगाथा, डॉ श्रीधर मिश्र, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
3 भोजपुरी के लोकगीत, भाग–1, 2, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
4 भोजपुरी भाषा का इतिहास, डॉ उदय नारायण तिवारी, विहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
5 समकालीन भोजपुरी काव्य की सामाजिक चेतना डॉ विमलेश कुमार मिश्र, सस्मृति सुधा सस्थान, गोरखपुर

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र – प्राचीन काव्य – कुल अक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप – इस प्रश्नपत्र मे पाठ्यग्रन्थो को दो भागो मे विभक्त किया गया है–मूल पाठ, द्रुत पाठ। प्रश्नपत्र कुल 100 अको का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–

(क) तीन व्याख्याएँ (केवल मूल पाठ से) = 12×3= 36
(ख) तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (केवल मूल पाठ से) = 16×3 = 48
(ग) दो लघु उत्तरीय प्रश्न (केवल द्रुत पाठ से) = 8×2 = 16
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न लगभग 400 शब्दो तथा लघु उत्तरीय प्रश्न 100 शब्दो के होगे)

पाठ्यग्रंथ –

मूल पाठ–

1 पद्मावती समय – चन्दबरदाई
2 निर्गुण काव्य – स प्रो पूर्णिमा सत्यदेव, डॉ केशव बिहारी त्रिपाठी

द्रुत पाठ–

प्राचीन एव मध्यकालीन कविता (केवल गोरखनाथ और विद्यापति) – स डॉ प्रभव्रत तिवारी, डॉ सूर्यनाथ पाण्डेय

सहायक ग्रथ–

1 भक्ति आन्दालन और भक्तिकाव्य, डॉ शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2 भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य, डॉ मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3 कबीर, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4 मध्यकालीन धर्म साधना, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद
5 उत्तर भारत की सत परम्परा, आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद
6 जायसी एक नई दृष्टि, डॉ रघुवश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7 कबीर एक नई दृष्टि, डॉ रघुवश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8 जायसी, विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
9 जायसी, परमानद श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, दिल्ली
10 कबीर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11 कबीर, डॉ वासुदेव सिह, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद

द्वितीय प्रश्न पत्र – भाषा विज्ञान और लिपि – कुल अंक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप–यह प्रश्नपत्र कुल 100 अको का होगा। इसमे पॉच प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रश्न करने होगे। सबके अक समान है।

पाठ्यक्रम

भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र, भाषा विज्ञान और व्याकरण, भारतीय और पाश्चात्य भाषा विज्ञान का इतिहास, आधुनिक भाषा विज्ञान के प्रमुख सम्प्रदाय (स्कूल), भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाएँ, भाषा भूगोल और समाज भाषा विज्ञान, भाषा विज्ञान क अध्ययन की पद्धतियॉ, शब्द अध्ययन, शब्द अध्ययन की पद्धतियॉ, शब्द की परिभाषा शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, भाषा की परिवर्तनशीलता और उसके कारण, ध्वनि, ध्वनियो की उत्पत्ति ओर वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन, उसके कारण और दिशाएँ, अर्थ–परिवर्तन, उसके कारण और दिशाएँ, पद विज्ञान, शब्द और पद का भेद, पद रचना की पद्धतियॉ, वाक्यविज्ञान परिभाषा वाक्य सरचना और वर्गीकरण लिपि की परिभाषा, भाषा और

लिपि का सम्बन्ध, लिपि की विकास अवस्थाएँ, भारत की प्राचीन लिपियाँ, काव्य भाषा, नाट्य भाषा, कथा भाषा।

सहायक ग्रथ–

1 भाषाविज्ञान की भूमिका, डॉ देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2 भाषाविज्ञान, डॉ भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
3 भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र, डॉ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4 काव्यादर्श और काव्यभाषा, प्रो सुरेन्द्र दुबे, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद
5 सामान्य भाषाविज्ञान, डॉ बाबूराम सक्सेना, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6 आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका, डॉ मोतीलाल गुप्ता, राजस्थान हिन्दी एकेडमी, जयपुर
7 भाषाविज्ञान और हिन्दीभाषा, डॉ रामदरश राय, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या–फैजाबाद

तृतीय प्रश्न पत्र – विशेष अध्ययन (वैकल्पिक) – कुल अक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप–इस प्रश्नपत्र मे हिन्दी साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियो को विशेष अध्ययन के रूप मे निर्धारित किया गया है–निर्गुण भक्ति काव्य, सगुण भक्ति काव्य, रीतिकाव्य, छायावादी काव्य, छायावादोत्तर काव्य, कथा साहित्य, हिन्दी नाटक, हिन्दी आलोचना। यह वैकल्पिक प्रश्नपत्र होगा। इनमे से विद्यार्थी को किसी एक विकल्प का चयन करना होगा। वह जिस विकल्प का चयन करेगा उसमे दो इकाइयाँ है। इस सेमेस्टर मे तृतीय प्रश्नपत्र के अन्तर्गत चयनित विकल्प की प्रथम इकाई का अध्ययन करना होगा।

1 निर्गुण भक्ति काव्य (प्रथम इकाई)

प्रश्नपत्र कुल 100 अको का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–
(क) तीन व्याख्याएँ 12×3=36
(ख) चार दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न 16×4=64

पाठ्यग्रंथ

1 कबीर ग्रन्थावली (स श्याम सुन्दर दास), साखी–गुरुदेव को अग, सुमिरन को अग, विरह को अग, परचा को अग, ज्ञान विरह को अग, निहकर्मी पतिव्रता को अग, वितावणी को अग, माया को अग, निर्गुण को अग, सहजन को अग, सोच को अग, साधु का अग, जीवन मृतक को अग, गुरु शिष्य हेरा का अग, काल को अग, रस को अग, बेली को अग, मधि को अग।

सबद – आरम्भिक 200 पद
रमैनी – आरम्भिक 20 पद

सहायक ग्रथ–

1 निर्गुण काव्यधारा, डॉ पीताम्बर दत्त बडथ्वाल, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
2 उत्तर भारत की सत परम्परा, आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद
3 कबीर, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4 कबीर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन्न, दिल्ली
5 कबीर, डॉ वासुदेव सिह, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
6 कबीर एक नई दृष्टि, डॉ रघुवश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7 कबीर मीमासा, डॉ रामचन्द्र तिवारी लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

2. सगुण भक्ति काव्य (प्रथम इकाई)

प्रश्नपत्र कुल 100 अको का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–
(क) तीन व्याख्याएँ 12×3=36

(ख) चार दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न 16×4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

1 सक्षिप्त सूरसागर, (स धीरेन्द्र वर्मा), साहित्य भवन, इलाहाबाद

सहायक ग्रथ–

1 सूरदास और उनका साहित्य, डॉ हरिवश लाल शर्मा, भारत प्रकाशन मदिर, अलीगढ
2 सूरदास, डॉ बृजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3 अष्टछाप और बल्लभ सम्प्रदाय, डॉ दीनदयाल गुप्त, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

3. रीति काव्य (प्रथम इकाई)

प्रश्नपत्र कुल 100 अको का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–

(क) तीन व्याख्याएँ = 12×3 = 36
(ख) चार दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न = 16×4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

1 रसिक प्रिया एव कवि प्रिया (केशवदास)

सहयक ग्रन्थ–

1 रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिग हाउस, दिल्ली
2 हिन्दी साहित्य का अतीत, दो भाग, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3 केशव और उनका साहित्य, डॉ विजयपाल सिह, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
4 केशव का आचार्यत्व, डॉ विजयपाल सिह, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
5 केशव की काव्यभाषा, प्रो सत्यनारायण त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

4 छायावादी काव्य (प्रथम इकाई)

प्रश्नपत्र कुल 100 अको का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–

(क) तीन व्याख्याएँ 12×3 = 36
(ख) चार दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न 16×4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

1 कामायनी – जयशकर प्रसाद
2 यामा – महादेवी वर्मा

सहायक ग्रन्थ–

1 छायावाद, डॉ नामवर सिह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2 छायावाद और कामायनी, डॉ तारकनाथ बाली, सार्थक प्रकाशन, दिल्ली
3 सौन्दर्यशास्त्र के तत्त्व, डॉ कुमार विमल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4 छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन, डॉ कुमार विमल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5 प्रसाद का काव्य, डॉ प्रेमशकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6 कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, डॉ नगन्द्र, नेशनल पब्लिशिग हाउस, दिल्ली
7 कामायनी एक पुनर्विचार, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8 कामायनी अनुशीलन, डॉ रामलाल सिह, इण्डियन प्रेस, इलाहाबाद
9 जयशकर प्रसाद, आचार्य नन्ददुलार वाजपयी, कमल प्रकाशन, जबलपुर

10 जयशकर प्रसाद, एक पुनर्मूल्याकन, डॉ विनोद शाही, आधार प्रकाशन पचकुला
11 महादेवी वर्मा, डॉ गगाप्रसाद पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12 छायावादी काव्यभाषा मे अर्थतत्व, डॉ रामदरश राय, राधा प्रकाशन, नई दिल्ली

5 छायावादोत्तर काव्य (प्रथम इकाई)

प्रश्नपत्र कुल 100 अको का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–
(क) तीन व्याख्याएँ 12x3=36
(ख) चार दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न = 16x4=64

पाठ्यग्रन्थ

1 मेरी चुनी हुई रचनाएँ – अज्ञेय
2 प्रतिनिधि कविताएँ – मुक्तिबोध (स डॉ केदारनाथ सिह)

सहायक ग्रन्थ–

1 मुक्तिबोध ज्ञान और सवेदना, नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2 समकालीन कवितायात्रा, नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3 अज्ञेय, भोलाभाई पटेल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4 फिलहाल, अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5 अज्ञेय, स डॉ विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नेशनल पब्लिशिग हाउस, दिल्ली
6 अपने–अपने अज्ञेय, स ओम थानवी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7 अज्ञेय एक अध्ययन, डॉ भोलाभाई पटेल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8 अज्ञेय की कविता, डॉ चन्द्रकान्त वादिवडेकर, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
9 अज्ञेय, रमेशचन्द शाह, साहित्य अकादमी, दिल्ली
10 अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या, डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
11 अज्ञेय परम्परा और प्रयोग, डॉ रमेश ऋषिकल्प, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

6. कथा साहित्य (प्रथम इकाई)

प्रश्नपत्र कुल 100 अको का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–
(क) तीन व्याख्याएँ 12x3=36
(ख) चार दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न 16x4=64

पाठ्यग्रन्थ

रगभूमि (प्रेमचन्द), त्याग–पत्र (जैनेन्द्र कुमार), शेखर एक जीवनी (अज्ञेय), आधा गॉव (राही मासूम रजा), मैला ऑचल (फणीश्वरनाथ रेणु), नाच्यो बहुत गोपाल (अमृतलाल नागर)

सहायक ग्रन्थ–

1 हिन्दी उपन्यास का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2 हिन्दी का गद्य साहित्य, डॉ रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3 हिन्दी उपन्यास का इतिहास, डॉ गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4 प्रेमचन्द और उनका युग, डॉ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
5 जैनेन्द्र और उनके उपन्यास, डॉ परमानन्द श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
6 जैनेन्द्र के उपन्यासो को मनोवैज्ञानिक अध्ययन, डॉ देवराज उपाध्याय, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली
7 हिन्दी प्रतिनिधि उपन्यास, भाग–1, सम्पा डॉ चमनलाल, हरियाणा साहित्य अकादमी
8 हिन्दी प्रतिनिधि उपन्यास, भाग–1, सम्पा डॉ यश गुलाटी, हरियाणा साहित्य अकादमी
9 हिन्दी के आचलिक उपन्यास, डॉ इन्द्रप्रकाश पाण्डेय, नेशनल पब्लिशिग हाउस, दिल्ली

हिन्दी नाटक (प्रथम इकाई)

प्रश्नपत्र कुल 100 अको का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–

(क) तीन व्याख्याएँ = 12×3 = 36

(ख) चार दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न = 16×4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

अधेर नगरी (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र), स्कन्दगुप्त (जयशकर प्रसाद), सिदूर की होली (लक्ष्मीनारायण मिश्र),

सहायक ग्रन्थ–

1 हिन्दी नाटक, डॉ दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
2 समकालीन हिन्दी नाटक, डॉ गिरीश रस्तोगी, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, नई दिल्ली
3 हिन्दी नाटक की सघर्ष चेतना, गिरीश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य अकादमी, हरियाणा
4 प्रसाद के नाटक, सत्येन्द्र तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
5 प्रसाद के नाटक, सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना

7. हिन्दी आलोचना (प्रथम इकाई)

प्रश्नपत्र कुल 100 अको का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–

(क) तीन व्याख्याएँ 12×3=36

(ख) चार दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न 16×4=64

पाठ्यग्रन्थ

1 रस मीमासा (रामचन्द्र शुक्ल)
2 काव्यकला तथा अन्य निबन्ध (जयशकर प्रसाद)
3 नया साहित्य नये प्रश्न (नन्ददुलारे वाजपेयी)

सहायक ग्रन्थ–

1 हिन्दी आलोचना का विकास, डॉ नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2 हिन्दी आलोचना, डॉ विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3 हिन्दी आलोचना शिखरो से साक्षात्कार, डॉ रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4 आलोचक और आलोचना, डॉ बच्चन सिह, नेशनल पब्लिशिग हाउस, दिल्ली
5 हिन्दी आलोचना के बीज शब्द, डॉ बच्चन सिह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6 हिन्दी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7 हिन्दी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, डॉ अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना, डॉ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

चतुर्थ प्रश्न पत्र – निबन्ध (साहित्यिक निबंध) – कुल अंक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप–यह प्रश्नपत्र 100 अको का होगा। जिसमे दो हजार शब्दो मे एक निबन्ध लिखना होगा।

सहायक ग्रन्थ–

1 हिन्दी निबन्ध, डॉ गणपति चन्द गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2 साहित्यिक निबन्ध, डॉ त्रिभुवन सिह विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

पचम प्रश्न पत्र – मौखिकी – कुल अंक 100

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र – मध्यकालीन काव्य – कुल अक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप – इस प्रश्नपत्र मे पाठ्यग्रन्थो को दो भागो मे विभक्त किया गया है–मूल पाठ द्रुत पाठ। प्रश्नपत्र कुल 100 अंक का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–

(क) तीन व्याख्याए (केवल मूल पाठ से) = 12X3 = 36
(ख) तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (केवल मूल पाठ से) = 16X3 = 48
(ग) दोलघु उत्तरीय प्रश्न (कवल द्रुत पाठ से) = 8X2 = 16
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न लगभग 400 शब्दो तथा लघु उत्तरीय प्रश्न 100 शब्दो के होगे)

पाठ्यग्रंथ –

मूल पाठ–

1 पद पीयूष – स प्रा रामदरश राय, प्रो मजु त्रिपाठी
2 आनन्द घन – स प्रो रामदेव शुक्ल

द्रुत पाठ–

प्राचीन एव मध्यकालीन कविता (गोरखनाथ और विद्यापति को छोडकर)– स डॉ प्रेमव्रत तिवारी, डॉ सूर्यनाथ पाण्डेय

सहायक ग्रथ–

1 भक्ति आन्दोलन और भक्तिकाव्य, डॉ शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2 भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य, डॉ मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3 तुलसी काव्यमीमासा, डॉ उदयभान सिह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4 सूरदास, डॉ ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5 सूरदास और उनका साहित्य, डॉ हरवश लाल शर्मा, भारत प्रकाशन मदिर, अलीगढ
6 अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय, डॉ दीनदयाल गुप्त, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
7 मध्यकालीन धर्म साधना, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद
8 उत्तर भारत की सत परम्परा, आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद
9 मीरा का काव्य, डॉ, विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10 मध्ययुगीन काव्य साधना, डॉ रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

द्वितीय प्रश्न पत्र – हिन्दी भाषा – कुल अंक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप–यह प्रश्नपत्र कुल 100 अको का होगा। इसमे पॉच प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रश्न करने होगे। सबके अक समान है।

हिन्दी भाषा का स्वरूप और विकास, हिन्दी भाषा की वर्तमान स्थिति और उसकी समस्याएँ, हिन्दी ध्वनियो का वर्गीकरण और विकास, हिन्दी भाषा मे प्रयुक्त विदेशी ध्वनियो मे परिवर्तन की प्रवृत्तियॉ, सज्ञा पदो की रचना, परसर्गो का विकास, लिग और वचन, विशेषण, सर्वनाम, क्रिया एव अव्यय पदो की रचना तथा विकास, उपसर्गो तथा प्रत्ययो का उदभव और विकास, हिन्दी का मानकीकरण और आधुनिकीकरण, भारतीय भाषाएँ और हिन्दी।

सहायक ग्रथ–

1 हिन्दी भाषा, डॉ धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
2 हिन्दी भाषा, डॉ भालानाथ तिवारी किताब महल, इलाहाबाद
3 हिन्दी भाषा, डॉ कैलाशचन्द्र भाटिया, साहित्य भवन, इलाहाबाद
4 हिन्दी भाषा, डॉ हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद

5 काव्यादर्श और काव्यभाषा प्रो सुरेन्द्र दुबे भवदीय प्रकाशन अयोध्या, फैजाबाद
6 अर्थतत्त्व डॉ हरदेव बाहरी हिन्दुस्तानी एकडमी इलाहाबाद
7 हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास डॉ सत्यनारायण त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
8 हिन्दी शब्दानुशासन, डॉ किशोरीदास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा काशी
9 हिन्दी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

तृतीय प्रश्न पत्र – विशेष अध्ययन (वैकल्पिक) – कुल अंक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप–इस प्रश्नपत्र मे हिन्दी साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियो को विशेष अध्ययन के रूप मे निर्धारित किया गया है–निर्गुण भक्ति काव्य, सगुण भक्ति काव्य, रीतिकाव्य, छायावादी काव्य, छायावादोत्तर काव्य, कथा साहित्य, हिन्दी नाटक, हिन्दी आलोचना। यह वैकल्पित प्रश्नपत्र होगा। इनमे से विद्यार्थी को किसी एक विकल्प का चयन करना होगा। वह जिस विकल्प का चयन करेगा उसमे दो इकाइयाँ है। इस सेमेस्टर मे तृतीय प्रश्नपत्र के अन्तर्गत चयनित विकल्प की द्वितीय इकाई का अध्ययन करना होगा।

1. निर्गुण भक्ति काव्य (द्वितीय इकाई)

प्रश्नपत्र कुल अको का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–
(क) तीन व्याख्याएँ 12X3 = 36
(ख) चार दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न 16X4 = 64

1 जायसी ग्रन्थावली (स रामचन्द्र शुक्ल)

2 पद्मावत के निम्नलिखित खण्ड–

स्तुति खण्ड, सिंहल दीप वर्णन खण्ड, जन्म खण्ड, मानसरोदक खण्ड, नागमती सुआ सवाद खण्ड, नखशिख खण्ड, प्रेम खण्ड, जोगी खण्ड, पद्मावती वियोगी खण्ड, पावती महेश खण्ड, रत्नसेन पद्मावती विवाह खण्ड, पद्मावती रतनसेन भेट खण्ड, षड्ऋतु वर्णन खण्ड, नागमती वियोग खण्ड, नागमती सदेश खण्ड, चित्तौर आगमन खण्ड, नागमती पद्मावती विवाद खण्ड, पद्मावती रूप चर्चा खण्ड, बादशाह चढाई खण्ड, चित्तौडगढ वर्णन खण्ड, रतनसेन बधन खण्ड, पद्मावती गोरा बादल सवाद खण्ड, गोराबादल युद्ध खण्ड, रतनसेन देवपाल युद्ध खण्ड, पद्मावती नागमती सती खण्ड, उपसहार।

सहायक ग्रथ–

1 तसव्वुफ अथवा सूफी मत, चन्द्रबली पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2 सूफीमत साधना और साहित्य, रामपूजन तिवारी, ज्ञानमण्डल लि, वाराणसी
3 सूफीकाव्य समग्र अनुशीलन शिवसहाय पाठक, राजकमल प्रकाशन प्रा लि, नई दिल्ली
4 मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य, शिवसहाय पाठक, ग्रथम, कानपुर
5 मध्ययुगीन प्रेमाख्यान, श्याम मनोहर पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6 हिन्दी के सूफी प्रेमाख्यान, परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर प्रा लि, दिल्ली
7 भारतीय प्रेमाख्यान की परम्परा, परशुराम चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8 जायसी एक नई दृष्टि, डॉ रघुवश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9 जायसी, विजयदेव नारायण शाही, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
10 मलिक मुहम्मद जायसी, डॉ कन्हया सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
11 पद्मावत सजीवनी भाष्य, वासुदेवशरण अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन इलाहावाद
12 जायसी ग्रथावली, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
13 पद्मावती सम्पा डॉ कन्हैया सिंह विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

2 सगुण भक्ति काव्य (द्वितीय इकाई)

प्रश्नपत्र कुल 100 अको का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–
(क) तीन व्याख्याएँ 12X3 = 36
(ख) चार दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न 16X4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

1 रामचरित मानस (गीता प्रेस) – अयाध्या काण्ड, उत्तर काण्ड।
2 विनय पत्रिका (गीता प्रेस)

सहायक ग्रथ–

1 तुलसी काव्यमीमासा, डॉ उदयभान सिह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2 तुलसीदास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3 लोकवादी तुलसी, डॉ विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4 तुलसी दर्शन मीमासा, डॉ उदयभानु सिह,
5 तुलसी, स डॉ वासुदेव सिह, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
6 तुलसी, डॉ रामचन्द्र तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7 तुलसी, विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पचकूला
8 तुलसी और युग सदर्भ, डॉ भगीरथ मिश्र, साहित्य भवन
9 तुलसी दर्शन, डॉ बलदेव प्रसाद मिश्र, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद
10 सूरदास और उनका साहित्य, डॉ हरिवश लाल शर्मा, भारत प्रकाशन मदिर, अलीगढ
11 सूरदास, डॉ बृजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12 अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय, डॉ दीनदयाल गुप्त, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

3. रीति काव्य (द्वितीय इकाई)

प्रश्नपत्र कुल १०० अको का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–
(क) तीन व्याख्याएँ 12X3 = 36
(ख) चार दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न 16X4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

1 बिहारी रत्नाकर – दोहा 201 से 500 तक
2 घनानन्द कवित्त (स आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) – कवित्त – 1 से 150 तक

सहायक ग्रन्थ–

1 रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिग हाउस, दिल्ली
2 हिन्दी साहित्य का अतीत, दो भाग, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3 घनानन्द का शृगार काव्य, डॉ रामदेव शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4 बिहारी ओर उनका साहित्य, डॉ हरवश लाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ
5 रीतिकालीन स्वच्छन्द काव्यधारा और घनानन्द, डॉ मनोहर लाल गौड, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
6 हिन्दी रीतिबद्ध काव्यभाषा की क्रिया–सरचना, प्रो सत्यनारायण त्रिपाठी, प्रकाशन सस्थान, नई दिल्ली
7 रीतिकाव्य स्वच्छन्दधारा, डॉ कृष्णचन्द्र वर्मा,

4. छायावादी काव्य (द्वितीय इकाई)

प्रश्नपत्र कुल १०० अको का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–
(क) तीन व्याख्याएँ 12X3 = 36
(ख) चार दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न 16X4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

1 परिमल – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला – निम्नलिखित कविताए – दृग अलि ऋतु पति के आए तुम और मै अलि घिर आए घन पावस के, ध्वनि, विधवा, सन्ध्या सुन्दरी बादल राग जुही की कली जागा फिर एक बार (2। महाराज शिवाजी का पत्र।

2 अपरा – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – निम्नलिखित कविताए – मातृ वन्दना, तोडती पत्थर, हिन्दी के सुमनो के प्रति पत्र, राम की शक्तिपूजा, मै अकेला, यमुना के प्रति, गहन है यह अन्धकार, वरण को जिसने वरा है सरोज स्मृति, स्नेह निर्झर बह गया है तुलसीदास, अर्चना।

3 पल्लव – सुमित्रानन्दन पन्त– निम्नलिखित कविताएँ – पल्लव, ऑसू, वीचिविलास मधुकरी, मोह मौन निमंत्रण, स्वप्न, निर्झर गान, छाया, शिशु, नक्षत्र, बादल, बालापन परिवर्तन।

सहायक ग्रन्थ–

1. छायावाद, डॉ नामवर सिह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. छायावाद और कामायनी, डॉ तारकनाथ बाली, सार्थक प्रकाशन, दिल्ली
3. सौन्दर्यशास्त्र के तत्त्व, डॉ कुमार विमल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन, डॉ कुमार विमल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. निराला की साहित्य साधना, तीन–खण्ड, डॉ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. निराला की कविताए, डॉ परमानन्द श्रीवास्तव, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
7. निराला का कविताए और काव्यभाषा, रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. निराला, राजेन्द्र कुमार, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
9. सुमित्रानदन पत्र, डॉ कृष्णदत्त पालीवाल, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
10. सुमित्रानदन पत्र, डॉ सदानन्द प्रसाद गुप्त, नीलकमल प्रकाशन, गोरखपुर
11. भारतीय स्वाधीनता सघर्ष और निराला का साहित्य, डॉ कमलेश कुमार गुप्ता, शैवाल प्रकाशन, गोरखपुर

5. छायावादोत्तर काव्य (द्वितीय इकाई)

प्रश्नपत्र कुल 1. अको का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–

(क) तीन व्याख्याएँ 12×3 = 36

(ख) चार दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न 16×4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

1. टूटी हुई विखरी हुई – स अशोक वाजपेयी
2. प्रतिनिधि कविताएँ – नागार्जुन (स नामवर सिह)
3. आत्महत्या के विरुद्ध – रघुवीर सहाय

सहायक ग्रन्थ–

1. रघुवीर सहाय का कविकर्म, डॉ सुरेश शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. नागार्जुन का रचना ससार, डॉ विजय बहादुर सिह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. मुक्तिबोध ज्ञान और सवेदना, नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. समकालीन कवितायात्रा, नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. फ़िलहाल, अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. कवियो का कवि शमशेर, रजना अरगडे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

6. कथा साहित्य (द्वितीय इकाई)

प्रश्नपत्र कुल 100अको का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–

(क) तीन व्याख्याएँ 12×3 = 36

(ख) चार दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न 16×4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

कहानी–एक दुनिया समानान्तर (स राजेन्द यादव) निम्नाकित कहानियाँ–जिन्दगी आर जोक (अमरकान्त) खोई हुई दिशाएं (कमलेश्वर) गुल की बन्ना (धर्मवीर भारती), परिन्दे (निर्मल वर्मा), तीसरी कसम उर्फ मारे गये गुलफाम (फणीश्वर नाथ रेणु) चीफ की दावत (भीष्म साहनी), यही सच है (मन्नू भण्डारी) दूध आर दवा (मार्कण्डेय) एक और जिन्दगी (मोहन राकेश), टूटना (राजेन्द्र यादव)।

सहायक ग्रन्थ–

1 हिन्दी कहानी का विकास मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2 हिन्दी का गद्य साहित्य, डॉ रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
3 हिन्दी कहानी का इतिहास, भाग–1, 2 डॉ गोपाल राय, राजकमल पकाशन, नई दिल्ली
4 नयी कहानी पुनर्विचार, मधुरेश, नेशनल पब्लिशिग हाउस दिल्ली
5 नई कहानी सदर्भ और प्रकृति, देवीशकर अवस्थी,
6 कहानी नई कहानी, डॉ नामवर सिह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहावाद

हिन्दी नाटक (द्वितीय इकाई)

प्रश्नपत्र कुल 100अको का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–

(क) तीन व्याख्याएँ 12×3 = 36
(ख) चार दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न 16×4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

अधायुग (धर्मवीर भारती), आधे–अधूरे (मोहन राकेश), मिस्टर अभिमन्यु (लक्ष्मीनारायण लाल), हानूश (भीष साहनी)।

सहायक ग्रन्थ–

1 हिन्दी नाटक, डॉ दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
2 समकालीन हिन्दी नाटक, डॉ गिरीश रस्तोगी, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, नई दिल्ली
3 हिन्दी नाटक की सघर्ष चेतना, गिरीश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य अकादमी, हरियाणा
4 मोहन राकेश और उनके नाटक, गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

7 हिन्दी आलोचना (द्वितीय इकाई)

प्रश्नपत्र कुल 100 अको का होगा। अक विभाजन इस प्रकार है–

(क) तीन व्याख्याएँ 12×3 = 36
(ख) चार दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न 16×4 = 64

पाठ्यग्रन्थ

1 कबीर (हजारी प्रसाद द्विवेदी)
2 परम्परा का मूल्याकन (रामविलास शर्मा)
3 समीक्षा की समस्याये (मुक्तिबोध)

सहायक ग्रन्थ–

1 हिन्दी आलाचना का विकास, डॉ नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2 हिन्दी आलोचना, डॉ विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3 हिन्दी आलोचना शिखरो से साक्षात्कार, डॉ रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4 आलोचक और आलोचना, डॉ बच्चन सिह, नेशनल पब्लिशिग हाउस, दिल्ली
5 हिन्दी आलाचना के बीज शब्द, डॉ बच्चन सिह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6 हिन्दी आलाचना की परम्परा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, शिवकुमार मिश्र वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7 हिन्दी आलाचना की पारिभाषिक शब्दावली, डॉ अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना डॉ रामविलास शर्मा राजकमल पकाशन दिल्ली

चतुर्थ प्रश्न पत्र – समसामयिक निबन्ध अथवा लघुशोध प्रबन्ध – कुल अक 50

प्रश्नपत्र का स्वरूप–यह प्रश्नपत्र 100अको का होगा। जिसमे दो हजार शब्दो मे एक निबन्ध लिखना होगा।

क– **निबन्ध**

1 समसामयिक विषय पर निबन्ध –100 अक

सहायक ग्रन्थ–

1 समकालीन हिन्दी निबन्ध, आचार्य निशातकेतु, ओरियट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली

ख– **लघुशोध प्रबध**

अध्यक्ष, हिन्दी विभाग की अनुमति से वे सस्थागत अभ्यर्थी लघुशोध प्रबन्ध ले सकेगे, जिन्होने प्रथम एव द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा मे 60 प्रतिशत या उससे अधिक अक प्राप्त किये हो। यह लघु प्रबन्ध लगभग 5000 शब्दो मे होगा।

पचम प्रश्न पत्र – मौखिकी – कुल अक 100